Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Ogh Niryukti

Folder No.	002957
Granth Name	Ogh Niryukti
Author	Bhadrabahuswami, Gyansagarsuri
Publisher	Devchand Lalbhai Jain Pustakoddhar Samstha
Edition	1
Year	1874
Pages	494

ओघनिर्युक्तिः

फोल्डर नं.	००२९५७
ग्रन्थ	ओघनिर्युक्तिः
लेखक	भद्रबाहुस्वामि, ज्ञानसागरसूरि
प्रकाशक	श्री देवचन्द्र लालभाई जैन पुस्तकोद्धार संस्था
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१८७४
पृष्ठ	४९४

मुख्य टाइटल
श्री ओघनिर्युक्त्यवचूरेरुपक्रमः
श्री ओघनिर्युक्ति-अवचूरि-संक्षिप्त-विषयानुक्रम
संपादकीय
श्री ओघनिर्युक्ति ---------- १-४७६
मंगल उपक्रमश्च ---------- १
मंगलाचरणम् ---------- ३
प्रयोजननिर्देश ---------- ५
ओघशब्दपर्याया ---------- ६
चरणकरणसप्तती ---------- ७
अनुयोगविचार ---------- ९
चरणानुयोगमहत्त्वम् ---------- ११
सूत्रस्वरूपचतुर्भङ्ग्या ---------- १३
ओघनिर्युक्तिप्रयोजनं ---------- १३
सप्तकनिर्देशः ---------- १३
प्रतिलेखनाद्वारवर्णनम् ---------- १४
पिण्डद्वारवर्णनम् ---------- २२२
उपधिद्वारवर्णनम् ---------- ३८६
आयतनद्वारवर्णनम्---------- ४३०
आलोचनाद्वारवर्णनम् ---------- ४३१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

विशुद्धिद्वारवर्णनम् ---------- ४३३
उपसंहारः ---------- ४३७
परिशिष्ट
ओघनिर्युक्तिउद्धार गाथा ---------- ४४१
शुद्धिपत्रकम् ---------- ४५३
ओघनिर्युक्ति-अवचूरिगत-विशिष्टव्याख्यातशब्दानामर्थसंग्रह ---------- ४५९
अकारादिवर्णानुक्रमेण गाथानुक्रमणिका ---------- ४७१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org